

समूचा, संपूर्ण, तमाम, पूर्णतः, एकदम, हर हालत में, निश्चयपूर्वक, अवश्य।

नितल पुं. (तत्.) 1. भूवि. समुद्र की तली, विशेषकर महासागर के गभीर भागों का अधस्तल, अथाह समुद्र 2. कुछ विद्वानों के मतानुसार (पृथ्वी के नीचे स्थित) सात पातालों अर्थात् सात अधोलोकों में से एक।

नितलस्थ वि. (तत्.) भूवि., जीव. समुद्र की तली पर समग्र रूप से विभिन्न स्थानों में पाए जाने वाले (जीव-जंतु और वनस्पति) benthic

नितहि पुं. (तत्.) दे. नित्य पर्वा. नित, नितही, नितहिं, नितही, नित, नित ही षति, नितही।

नितांत अव्य. (तत्.) 1. अत्यंत, बहुत अधिक, अत्यधिक 2. पूर्णतः, सर्वथा, एकदम, बिल्कुल वि. नितराम पूर्ण रूप से किया विशेषण है जबकि नितांत प्रविशेष के रूप में प्रयुक्त होता है।

नितै अव्य. (तत्.) नित्य ही दे. नित्या।

नित्य अव्य. (तत्.) 1. प्रतिदिन 2. सदा, हमेशा 3. नियमित रूप से वि. 1. जो पूरे समय तक या हमेशा बना रहे, अविनाशी, अक्षर, अनश्वर, शाश्वत 2. जिसकी उत्पत्ति और विनाश न होता हो विलो. अनित्य, नश्वर।

नित्य नैमित्तिक वि. (तत्.) (वह कर्म) जो नित्य किया जाने वाला हो (जैसे- स्नान, पूजा आदि प्रतिदिन करने योग्य कर्म) और किसी विशेष उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किया जाने वाला कर्म जैसे- पुत्रेष्टि यज्ञ, कतिपय शब्द आदि जैसे- गृहस्थ को नित्य नैमित्तिक कर्मों का पालन करना चाहिए।

नित्य संधि स्त्री. (तत्.) जब सन्निकट दो पदों या पदांशों में संधि अनिवार्य हो और उन्हें नियमानुसार अलग-अलग न लिखने का विधान हो जैसे- उपसर्ग लगने पर बन्ने वाले शब्दों में या श्लोकों के एक चरण में आने वाले शब्दों में।

नित्य संबंध पुं. (तत्.) 1. दो वस्तुओं या बातों का स्थायी संबंध जैसे- पिता-पुत्र या सूर्य और प्रकाश का संबंध 2. व्या. दो शब्दों का वह

पारस्परिक संबंध जिसमें एक ही वाक्य आगे-पीछे अवश्य आते हैं जैसे- जब....तब, 'जब' तुम गए 'तब' वह आया, 'यदि' तुम मुझे मारोगे 'तो' मैं तुम्हें मारूंगा, इत्यादि।

नित्य संबंधी वि. (तत्.) नित्य संबंध वाला।

नित्यकर्म पुं. (तत्.) 1. प्रतिदिन आवश्यक रूप से किए जाने वाले अथवा विहित कर्म, प्रतिदिन का काम 2. नित्य की क्रिया जैसे- शौच, स्नान, पूजा आदि पर्या. नित्यकृत्य, नित्यक्रिया, नित्यचर्या।

नित्यक्रम पुं. (तत्.) किसी काम को पूरा करने के लिए परंपरागत, पूर्व-निर्धारित अथवा नियमित विहित अवस्थाएँ। routine, daily-routine।

नित्यक्रिया स्त्री. (तत्.) दे. नित्यकर्म।

नित्यगति वि. (तत्.) जो सदा गतिशील रहता हो पुं. वायु, काल।

नित्यचर्या स्त्री. (तत्.) नित्यप्रति का काम, दैनिक कार्य, दिनचर्या दे. नित्य कर्म।

नित्यता स्त्री. (तत्.) नित्य रहने की अवस्था या भाव, निरंतरता, शाश्वतता।

नित्यताबोधक पुं. (तत्.) नित्यता का बोध कराने वाला।

नित्यनियम पुं. (तत्.) प्रतिदिन पालन किया जाने वाला नियम, कभी भंग न होने वाला नियम।

नित्यप्रति अव्य. (तत्.) प्रतिदिन, हर रोज।

नित्यप्रलय पुं. (तत्.) वेदांत-दर्शन 1. चार प्रकार के प्रलयों में से एक प्रलय विशेष जो नित्य होता है 2. सुषुप्ति की अवस्था जब किसी भी वस्तु का ज्ञान नहीं रहता।

नित्ययौवना वि. (तत्.) ऐसी (नारी) जो सदा युवती बनी रहे, चिरयौवना।

नित्यशः अव्य. (तत्.) 1. प्रतिदिन, हर रोज 2. सदा, सर्वदा, हमेशा।

नित्या स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा का एक नाम 2. महाशक्ति 3. पार्वती, मनसा देवी।